सामाजिक विज्ञान

कक्षा 6

Chapter 7: भारत की सांस्कृतिक जड़ें

To get notes visit our website

mukutclasses.in

प्रश्न, क्रियाकलाप और परियोजनाएँ

प्रश्न 1. यदि आप नचिकेता होते तो आप यम से कौन-से प्रश्न पूछते? इन्हें 100-150 शब्दों में लिखिए।
उत्तर:- यदि मैं नचिकेता होता, तो मैं यम से कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न पूछता जो जीवन, मृत्यु और आत्मा के रहस्यों को स्पष्ट कर सकें। मेरे प्रश्न इस प्रकार होते:

1. मृत्यु के बाद आत्मा का क्या होता है?
2. क्या आत्मा अमर है, या यह पुनर्जन्म लेती है?
3. जीवन का वास्तविक उद्देश्य क्या है?
4. धर्म और अधर्म की पहचान कैसे करें?
5. सही मार्ग का चयन करने के लिए क्या किया जाए?
6. मनुष्य को भय से कैसे मुक्त किया जा सकता है?

प्रश्न 2. बौद्ध मत के कुछ केंद्रीय विचारों को समझाइए। इन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:- बौद्ध धर्म के प्रमुख विचार इस प्रकार हैं:-

1. चार आर्य सत्य
    i. संसार में दुःख (पीड़ा) सर्वव्यापी है।
    ii. यह दुःख तृष्णा (इच्छा) के कारण उत्पन्न होता है।
    iii. इच्छाओं के अंत से दुःख समाप्त हो सकता है।
    iv. अष्टांगिक मार्ग का पालन करने से मोक्ष संभव है।
2. अष्टांगिक मार्ग:- सही दृष्टि, संकल्प, वाणी, कर्म, आजीविका, प्रयास, स्मृति और समाधि।
3. अनित्य (अनिच्चा) – संसार की हर वस्तु परिवर्तनशील है, कुछ भी स्थायी नहीं है।
4. अनात्मन् – कोई स्थायी आत्मा नहीं होती, केवल कर्मों का प्रवाह ही चलता रहता है।
5. कर्म और पुनर्जन्म – व्यक्ति के कर्म ही उसका भविष्य तय करते हैं, और पुनर्जन्म का कारण बनते हैं।

संक्षिप्त टिप्पणी:- बौद्ध मत का मुख्य उद्देश्य मानव जीवन के दुःखों को दूर करना और आत्मज्ञान की ओर ले जाना है। यह भौतिक इच्छाओं को त्यागने, नैतिक जीवन जीने और ध्यान के माध्यम से मन को शुद्ध करने पर जोर देता है। इसकी शिक्षाएँ न केवल धार्मिक बल्कि दार्शनिक और नैतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं।

प्रश्न 3. बुद्ध के उस उद्धरण पर कक्षा में चर्चा कीजिए जो इस प्रकार है- "जल से व्यक्ति शुद्ध नहीं हो सकता, जबकि कई लोग यहाँ (पवित्र नदी में) स्नान करते हैं" ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सबको इसका अर्थ समझ में आ गया है।
उत्तर:- "जल से व्यक्ति शुद्ध नहीं हो सकता, जबकि कई लोग यहाँ (पवित्र नदी में) स्नान करते हैं।"

अर्थ:- गौतम बुद्ध इस उद्धरण के माध्यम से यह समझाना चाहते हैं कि आंतरिक शुद्धता अधिक महत्वपूर्ण है, न कि केवल बाहरी स्नान या धार्मिक अनुष्ठानों से मिलने वाली शुद्धि। व्यक्ति यदि नैतिक रूप से सही नहीं है, हिंसा, झूठ, लालच और बुरे कर्मों से ग्रस्त है, तो केवल पवित्र नदी में स्नान करने से वह शुद्ध नहीं हो सकता।

चर्चा के महत्वपूर्ण बिंदु:

1. क्या केवल बाहरी स्वच्छता से व्यक्ति पवित्र हो सकता है?
2. सच्ची शुद्धता मन, विचार और कर्मों में होती है या केवल धार्मिक अनुष्ठानों से मिलती है?
3. बुद्ध के अनुसार सच्ची शुद्धता कैसे प्राप्त की जा सकती है?
4. क्या यह उद्धरण आज के समाज में भी प्रासंगिक है?

निष्कर्ष: इस उद्धरण से यह सीख मिलती है कि केवल धार्मिक कर्मकांडों और बाहरी स्वच्छता से कुछ नहीं होगा, बल्कि सच्ची पवित्रता अच्छे विचार, सत्य, अहिंसा और करुणा से आती है।

प्रश्न 4. जैन मत के कुछ मुख्य विचारों को समझाइए। इन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:- जैन धर्म के कुछ प्रमुख विचार इस प्रकार हैं:
1. अहिंसा – जैन धर्म में हिंसा को सबसे बड़ा पाप माना गया है। किसी भी प्राणी को शारीरिक, मानसिक या वाणी से कष्ट पहुँचाना वर्जित है।
2. अनेकांतवाद – सत्य बहुआयामी होता है। प्रत्येक वस्तु को अलग-अलग दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता होती है।
3. अपरिग्रह – अत्यधिक भौतिक संपत्ति का त्याग करने और केवल आवश्यकता अनुसार वस्तुएँ रखने पर जोर दिया गया है।
4. कर्म सिद्धांत – मनुष्य के अच्छे या बुरे कर्म ही उसके जीवन और पुनर्जन्म को निर्धारित करते हैं।
5. मोक्ष मार्ग – सत्य, अहिंसा, तपस्या, आत्मसंयम और ध्यान से आत्मा को शुद्ध करके मोक्ष प्राप्त किया जा सकता है।

संक्षिप्त टिप्पणी:- जैन मत आत्मशुद्धि और मोक्ष प्राप्ति के लिए कठोर अनुशासन और नैतिक जीवन पर बल देता है। इसकी शिक्षाएँ अहिंसा, सत्य और अपरिग्रह के सिद्धांतों के कारण आज भी प्रासंगिक हैं और व्यक्तिगत तथा सामाजिक शांति की दिशा में मार्गदर्शक हैं।

प्रश्न 5. कक्षा में आंद्रे बेते के कथन पर विचार-विमर्श कीजिए।
उत्तर:- आंद्रे बेते के कथन पर विचार-विमर्श के बिन्दु:-
- भारत में हज़ारों जातियाँ और जनजातियाँ प्राचीन काल से रहती आई हैं।
- समय के साथ, इन समूहों ने एक-दूसरे से कई धार्मिक और सांस्कृतिक प्रथाएँ ग्रहण कीं।
- उदाहरण: कई लोकदेवता (जैसे भैरव, काली, मुंडा देवता आदि) बाद में मुख्यधारा की पूजा पद्धति में शामिल हो गए।
- त्योहारों का साझा मनाना: जैसे बंगाल में दुर्गा पूजा, आदिवासी क्षेत्रों में भी मनाई जाती है।
- धार्मिक स्थल: कई मंदिरों या तीर्थों पर सभी जातियों और जनजातियों का समान अधिकार होता है।
- रीति-रिवाजों में समानता: विवाह, जन्म या मृत्यु के संस्कार में भी कई समानताएँ पाई जाती हैं।
- विविधता के बावजूद भारत में एकता संभव है क्योंकि परंपराएँ एक-दूसरे से जुड़ी हैं।

प्रश्न 6. अपने स्थानीय क्षेत्र में लोकप्रिय देवी-देवताओं तथा उनसे जुड़े त्योहारों की एक सूची बनाइए।
उत्तर:-

देवी-देवता	उनसे जुड़ा त्योहार
भगवान राम	राम नवमी, दशहरा
देवी दुर्गा	नवरात्रि, दुर्गा पूजा
भगवान कृष्ण	जन्माष्टमी
भगवान शिव	महाशिवरात्रि
लक्ष्मी माता	दीपावली
भगवान गणेश	गणेश चतुर्थी
भगवान सूर्य	छठ पूजा

MUKUTclasses

प्रश्न 7. कक्षा की गतिविधि के रूप में अपने क्षेत्र या राज्य के दो या तीन जनजातीय समूहों की सूची बनाइए। इनमें से से कुछ की परंपरा और विश्वास प्रणालियों के बारे में लिखिए।

उत्तर:- जनजातीय समूह:

1. भील
2. गोंड
3. संथाल

परंपरा और विश्वास प्रणाली:

1. भील: प्रकृति की पूजा करते हैं। पेड़, नदियाँ और जानवर इनके देवता हैं। पारंपरिक नृत्य और धनुष-बाण इनकी पहचान हैं।
2. गोंड: प्रकृति और पूर्वजों की पूजा करते हैं। पर्वत, नदियों को पवित्र मानते हैं। 'कर्मा' और 'मड़ई' जैसे त्योहार मनाते हैं।
3. संथाल: "सारना धर्म" का पालन करते हैं। पेड़ों और प्रकृति की पूजा करते हैं। नृत्य और संगीत जीवन का अहम हिस्सा है।

सही या गलत

1. **वैदिक ऋचाओं को ताड़-पत्र की पांडुलिपियों पर लिखा गया है।**
2. **वेद भारत के सबसे प्राचीन ग्रंथ हैं।**
3. **वैदिक कथन "एकम् सत् विप्रा बहुधा वदन्ति" में ब्रह्मांड की शक्तियों की एकता की मान्यता प्रकट होती है।**
4. **बौद्ध मत वेदों से अधिक पुराना है।**
5. **जैन मत का उद्भव बौद्ध मत की एक शाखा के रूप में हुआ।**
6. **बौद्ध और जैन मत दोनों ही शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व तथा सभी जीवों को नुकसान न पहुँचाने का समर्थन करते हैं।**
7. **जनजातीय विश्वास परंपराएँ आत्मा और छोटे देवों तक सीमित हैं।**

उत्तर:-

1. वैदिक ऋचाओं को ताड़-पत्र की पांडुलिपियों पर लिखा गया है। **सही**
2. वेद भारत के सबसे प्राचीन ग्रंथ हैं। **सही**
3. वैदिक कथन "एकम् सत् विप्रा बहुधा वदन्ति" में ब्रह्मांड की शक्तियों की एकता की मान्यता प्रकट होती है। **सही**
4. बौद्ध मत वेदों से अधिक पुराना है। **गलत**
5. जैन मत का उद्भव बौद्ध मत की एक शाखा के रूप में हुआ। **गलत**
6. बौद्ध और जैन मत दोनों ही शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व तथा सभी जीवों को नुकसान न पहुँचाने का समर्थन करते हैं। **सही**
7. जनजातीय विश्वास परंपराएँ आत्मा और छोटे देवों तक सीमित हैं।**सही**